<u>**कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा मत्स्य पालन विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन**</u>

मत्स्य, पशु-पालन एवं डेरी मंत्रालय , भारत सरकार की परियोजना " लाभकारी डेयरी फ़ार्मिंग और पशुधन प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से किसानों की क्षमता निर्माण" कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 05-03-2022 से 07-03-2022 तक कृषि विज्ञान केन्द्र में तीन दिवसीय मत्स्य पालन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ । इस कार्यक्रम में शीतजल मत्स्य अनुसंधान निदेशालय, भीमताल, उत्तराखंड से डॉ. एन एन पाण्डेय, प्रधान वैज्ञानिक ने मत्स्य रोगों के बारे में कृषकों को जानकारी दी , जन्तु विभाग, बरेली कालेज के प्रोफेसर एव विभागाध्यक्ष डॉ. कमल सक्सेना ने भी कृषकों को मत्स्य पालन की जानकारी दी।

डॉ. विभा लोहानी, सहायक निदेशक, मत्स्य ने जिले में मत्स्य पालकों के लिए सरकार द्वारा चलायी जा रही सरकारी योजनाओं की जानकारी दी । श्री दुर्गा दत्त शर्मा, सहा.मु.तक.अधिकारी (मत्स्य), कृषि विज्ञान केन्द्र ने समेकित मत्स्य पालन, मछलियों में आहार प्रबंधन, पानी की गुणवत्ता विषय पर किसानों को जानकारी दी । डॉ. अवधेश कुमार, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (एक़्वा -कल्चर), पंतनगर विश्वविद्यालय ने कृषकों की आजीविका के लिए नई तकनीकी से मछली पालन के बारे में जानकारी साझा की एवं डॉ. आशुतोष मिश्रा, प्रोफेसर पंतनगर विश्वविद्यालय उत्तराखंड ने मत्स्य बीज एवं हैचरी प्रबंधन के विषय के बारे में कृषकों को विस्तार से जानकारी साझा की । कृषि विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष डॉ. बृजपाल सिंह ने किसानों को मत्स्य पालन आर्थिक एवं प्रसंस्करण विधि के बारे में जानकारी साझा की तथा हानि-लाभ के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी । इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड राज्य के 40 युवाओं ने मत्स्य पालन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता दर्ज की ।

किसानों की क्षमता निर्माण हेतु
लाभकारी डेयरी फार्मिंग और पशुधन प्रबंधन के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम
मत्स्य पालन
5–7 मार्च, 2022